ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे – 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का

प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26111809
रेलवे - 55222, 55860, 55862

छात्रावास - डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे - 55980, 55981, 55976

फैक्स : 020-26128677
ई – मेल : mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 11 **अंक - 44** **अक्तूबर - दिसंबर 2007**

इरिसेन परिवार सभी पाठकों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता है और भरपूर ज्ञान समृद्धि की कामना करता है।

इस अंक में

1. हमारे नए निदेशक
2. भा.रे.सि.इं.सं. छात्रावास में बायोगैस संयत्र का उद्घाटन
3. सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2007
4. भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का 51वां महापरिनिर्वाण दिवस
5. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 97वीं बैठक
6. क्षेत्रीय रेलों के सिविल इंजीनियरी प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्यों की बैठक
7. विशेष पाठ्यक्रम
8. विशेष उपलब्धियां
9. विदाई /स्वागत
10. अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिता - 2006
11. बधाई / शुभकामनाएं
12. शब्द ज्ञान
13. सृजन

11वें वर्ष का आखिरी अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस पूरे वर्ष को हमने हर मायने में भरपूर जीया है। हमने अपने कार्यों की समीक्षा तथा आत्मविश्लेषण भी किया है। तकनीकी क्षेत्र होने के कारण नित नए प्रयोग करना एवं उसमें सफलता प्राप्त करना हमारा मुख्य उद्देश्य रहा है। वर्ष-2007 में पुस्तक लेखन, फिल्म निर्माण, ई-बुक्स, ई-लर्निंग, ई-टेस्ट तथा विविध नए विषयों पर विशेष पाठ्यक्रमों का आयोजन, विशिष्ट कार्यक्षेत्रों के निरीक्षण हेतु अध्ययन दौरे का प्रावधान यानि प्रशिक्षण के हर पहलू पर पैनी निगाह रखकर नए नए आयाम तय करना तथा विश्व स्तरीय संस्थान को और उंचाइंयों तक ले जाना ही हमारा मुख्य लक्ष्य रहा है। आपकी प्रतिक्रिया एवं अमूल्य विचारों का हमें सदा इंतजार है .... *मुख्य संपादक*

1 हमारे नए निदेशक

आई.आई.टी. दिल्ली से सिविल इंजीनियरी में बी.टेक तथा संरचनागत इंजीनियरी में एम.टक की उपाधि प्राप्त श्री ए.के.गोयल ने दि. 17 नवंबर, 2007 को इरिसेन के नए निदेशक का पद भार संभाला। आपने 27 सितंबर,1975 को पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा में प्रवेश किया। आप उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) प. रे., वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/मुंबई, मंडल इंजीनियर (निर्माण) म.रे. तथा नागपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक, प.रे. चर्चगेट मुख्यालय में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक / मुख्य सतर्कता अधिकारी, प्रधान मुख्य इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुके हैं। पुल इंजीनियरी में विशेष अनुभव प्राप्त करने के लिए आप एक वर्ष तक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिनियुक्ति पर रहे। निर्माण कार्य, आमान परिवर्तन परियोजनाएं तथा पुल इंजीनियरी के क्षेत्र में आपको गहन अनुभव प्राप्त है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री ए. के. गोयल

संरक्षक
ए. के गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
घनश्याम बंसल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक – पुल

संपादक
अरूणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

सहयोग
अरूण चांदोलीकर
सह प्राध्यापक
अशोक पोलके रा.भा.स. I/आर.जे.पाल, रा. भा. स.II

2 भा.रे.सि.इं.सं.छात्रावास में बायोगैस संयत्र का उद्घाटन :

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित छात्रावास में दिनांक 28 सितंबर, 07 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में बायोगैस संयत्र का उद्घाटन संस्थान के तत्कालीन निदेशक श्री शिव कुमार द्वारा किया गया। यह संयत्र बनाने एवं लगाने का कार्य पुणे के 'मेसर्स मेकहेम इंजीनियर्स' द्वारा निर्धारित समय में पूर्ण किया गया। इस संयत्र के द्वारा छात्रावास के रसोई घर से निकलने वाले गीले कचरे को प्रोसेस कर निकलने वाली बायोगैस पुनः रसोईघर के उपयोग में लाई जा सकेगी। कचरे से निकलने वाली गैस जो कि पर्यावरण के लिए हानिकारक है, इस संयत्र के लगने से इसका सदुपयोग किया जा सकेगा। साथ ही, कचरा फेंकने की समस्या भी हल होगी एवं उर्जा की भी बचत होगी।



बायोगॅस संयत्र का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक श्री शिव कुमार

3 सतर्कता जागरुकता सप्ताह 2007

संस्थान में दिनांक 12 नवंबर से 16 नवंबर तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए संकाय अध्यक्ष श्री सुरेश गुप्ता ने उपस्थित सदस्यों को ईमानदारी की प्रतिज्ञा दिलाई।



संकाय अध्यक्ष श्री सुरेश गुप्ता कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए

14 नवंबर को 'जागरुकता द्वारा भ्रष्टाचार पर लगाम' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस उत्साहवर्धक प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर्मचारियों को सप्ताह के समापन समारोह के दिन पुरस्कृत किया गया। दिनांक 16 नवंबर, 07 को प्रश्न मंच कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान के सभी संकाय सदस्य और कर्मचारियों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए एवं सही उत्तर देने पर उन्हें तत्काल पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में निबंध प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को संकाय अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार वितरित किया गया और आभार प्रदर्शन के बाद कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

4 भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का 51वां महापरिनिर्वाण दिवस :

संस्थान में दिनांक 06 दिसंबर को भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के 51वें महापरिनिर्वाण दिवस पर संस्थान के निदेशक ने भारतरत्न डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया, इसमें सभी संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस सभा में दो मिनट का मौन भी रखा गया। तदुपरांत श्री बालकृष्ण घाटे, छात्रावास अधी. द्वारा बुद्ध वंदना की गई तथा श्री सुनिल शिंदे, तक.सहा./छात्रावास ने बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा लिखित उद्धरण के विशिष्ट अंश पढ़कर सुनाए। निदेशक श्री ए.के.गोयल ने डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उन्हें श्रद्धांजली दी।



भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए निदेशक श्री ए. के. गोयल

5 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 97वीं बैठक

दिनांक 30 सितंबर को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 97वीं बैठक दिनांक 24 अक्तूबर को आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विषयों जैसे हिंदी वेबसाइट को उन्नत करने के लिए डायनेमिक फॉंट वाले सॉफ्टवेयर की खरीद पर संभावनाएं तलाशने एवं ग्रंथालय में अन्य ज्ञानप्रद पुस्तकें खरीदने पर चर्चा की गई। संस्थान में पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण को राजभाषा में अनुवाद करने की पहल को आगे बढ़ाया गया है एवं अभी तक 03 (तीन) प्रस्तुतीकरण का अनुवाद किया जा चुका है। बैठक सार्थक रही।



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 97 वीं बैठक का दृश्य

6 क्षेत्रीय रेलों के सिविल इंजीनियरी प्रशिक्षण

संस्थान में दिनांक 17.12.2007 से 18.12.2007 तक क्षेत्रीय रेलों के सिविल इंजीनियरी प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्यों की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई । विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों के प्राचार्य एवं अनुदेशक बैठक में उपस्थित हुए तथा प्रशिक्षण की स्थिति, समूह **ग** एवं **घ** के इंजीनियरी कर्मचारियों के प्रशिक्षण में सुधार एवं कारीगर कर्मचारियों के प्रशिक्षण संबंधी सामान्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया । संस्थान की ओर से बैठक में प्राध्यापक/कंप्यूटर ने ई-लर्निंग पर प्रस्तुतीकरण दिया । बैठक बहुत अर्थपूर्ण रही ।

7 विशेष पाठ्यक्रम

- दि. 01/10/07 से 19/10/07 (3 सप्ताह) आईआरएसई (परि.) परीक्षा 2005 समूह 2 के लिए कंप्यूटर पाठ्यक्रम ।
- दि. 03/10/07 से 05/10/07 (3 दिन) भू -प्रबंधन पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 08/10/07 से 12/10/07 (1 सप्ताह) अवपथन जांच पडताल पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि.15/10/07 से 19/10/07 (1 सप्ताह) पुलों के आधुनिकीकरण पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 22/10/07 से 02/11/07(2 सप्ताह) परियोजना प्रबंधन परामर्श पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 29/10/07 से 30/10/07 (2 दिन) आर्च पुलों पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 29/10/07 से 02/11/07(1 सप्ताह) एलडब्ल्युआर के अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि.19/11/07 से 21/11/07 (3 दिन) यूएसएफडी एवं रेल वेल्ड खराबियों पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 22/11/07 से 23/11/07 (2 दिन) पुलों के निरीक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि.26/11/07 से 30/11/07 (1सप्ताह) वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ।
- दि. 26/11/07 से 30/11/07 (1सप्ताह) रिलेइंग एवं यांत्रिकृत रेलपथ अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- दि. 17/12/07 से 21/12/07 (1सप्ताह) भू-तकनीकी जांच एवं निर्माण इंजीनियरी पर विशेष पाठ्यक्रम ।

8 विशेष उपलब्धियां

1. दिनाक 12 अक्टूबर, 07 को 'कंक्रीट टेक्नॉलॅजि' पर अंग्रेजी में प्रकाशित पुस्तक का विमोचन श्री शिव कुमार, तत्कालीन निदेशक द्वारा किया गया तथा इसे इरिसेन वेबसाइट पर भी डाल दिया गया है।
2. इरिसेन द्वारा 'यूएसएफडी मैनुअल' पर ऑडियो वर्शन सीडी का निर्माण किया गया, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के कर-कमलों द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर, 07 को इसका विमोचन किया गया तथा इसे इरिसेन वेबसाइट पर भी डाल दिया गया है।
3. संस्थान की ओर से श्री अजय गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल दिनांक 14 से 16 नवंबर, 07 तक '14th यूआईसी मैसनरी आर्च ब्रिजेज प्रोजेक्ट वर्किंग ग्रुप मीटिंग एंड वर्कशॉप ऑन असेसमेंट इंस्पेक्शन एंड मेटेनेंस ऑफ मैसनरी आर्च ब्रिजेज' के कार्यक्रम में भाग लेने हेतु बुडापेस्ट, हंगेरी गए थे।

9 विदाई / स्वागत

- संस्थान के निदेशक श्री शिव कुमार का स्थानांतरण महाप्रबंधक/ निर्माण, पूर्वोत्तर सीमांत रेल, मालीगांव के पद पर हो गया । दि.15 अक्टूबर, 07 को उन्होंने महाप्रबंधक/निर्माण का नया पदभार ग्रहण कर लिया है । संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है ।



श्री शिव कुमार

- भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा की 1990 परीक्षा बैच के अधिकारी श्री अतुल अग्रवाल रेल सेवा से अपना त्यागपत्र देकर वर्ल्ड बैंक में नियुक्त हुए हैं । इन्होंने अक्टूबर, 2005 में संस्थान में प्राध्यापक /रेलपथ- 3 का कार्यभार ग्रहण किया एवं लगभग दो वर्ष से संस्थान की सेवा से जुड़े रहे । संस्थान उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है ।



श्री अतुल अग्रवाल

10 अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिता - 2006

रेलवे बोर्ड के तत्वावधान में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, भुसावल में आयोजित अखिल रेल हिंदी निबंध, वाक् एवं टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताएं -2006 में संस्थान की ओर से वर्ष 2006 में प्रथम स्थान प्राप्त तीन कर्मचारियों ने भाग लिया । इनमें से वाक् प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त श्री सुनील पोफले, सेक्शन इंजीनियर को अखिल रेल वाक् प्रतियोगिता -2006 में रेलवे बोर्ड की ओर से प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया है । संस्थान उनकी सफलता पर उन्हें हार्दिक बधाई देता है ।

11 बधाई / शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

02 जनवरी - श्री घनश्याम बंसल, प्राध्यापक/पुल
12 जनवरी - श्री एम.मलन्ना, सहा.कार्य.इंजी. 2
27 जनवरी - श्री अशोक वी. मिसर, प्राध्यापक/ स.मं.वि.प्र.
01 मार्च - श्री ए.के.गोयल, निदेशक
02 मार्च - श्री राजेश कुमार, प्राध्यापक रेलपथ 1

अधिकारियों की विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 जनवरी - श्री एन.आर.काले, सहा.कार्य.इंजी. 2
13 जनवरी - श्री अशोक वी. मिसर, प्राध्यापक/ स.मं.वि.प्र.
02 फरवरी - श्री के.नारायण, निजी सचिव/ निदेशक
17 फरवरी - श्री अजय गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल
05 मार्च - श्री सुरेश गुप्ता, संकाय अध्यक्ष

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जनवरी - श्रीमती लता राजन, वरि.अनु.अधिकारी (लेखा)
11 जनवरी - श्री शैलेंद्र प्रकाश, सहा. ग्रंथपाल

12 जनवरी - श्रीमती विद्या धानेकर, का.अ. ।
01 फरवरी - श्री के.के. आयजैक , प्रधान लिपिक
05 फरवरी - श्री बबन मारुती, फिटर ,ग्रेड - III
08 फरवरी - श्री फ्रांसिस जॉन गोपालन, खलासी
09 फरवरी - श्री राजू जे. पाल, राजभाषा सहायक - II
10 फरवरी - श्री गौस मोहम्मद, खलासी
13 फरवरी - श्री अतुल घोड़ेकर, छात्रावास अधी.- ।
28 फरवरी - श्री जे.एस.शेट्टी, मुख्य कार्या.अधी. (स्थापना)
01 मार्च - श्री शिरिष मोरे, तकनीशियन
01 मार्च - श्री विलास तावड़े, खलासी
15 मार्च - श्री शांताराम पोपट, खलासी
16 मार्च - श्री संजय भोसले, खलासी

कर्मचारियों की विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

27 जनवरी - श्री सुधीर जगन्नाथ, खलासी
03 फरवरी - श्री शैलेंद्र प्रकाश, (सहा. ग्रंथपाल)
10 फरवरी - श्रीमती जयंती दंडपाणि, कार्या.अधीक्षक
13 फरवरी - श्रीमती चारूशीला ननावरे, वरिष्ठ चपरासी
19 फरवरी - श्रीमती अरुणाभा ठाकुर, राजभाषा अधीक्षक
19 फरवरी - श्री अतुल घोडेक़र, छात्रावास अधीक्षक - ।
28 फरवरी - श्री के.पी.धुमाल, निजी सचिव ग्रेड - II
05 मार्च - श्री राजू जे.पाल, राजभाषा सहायक - II
07 मार्च - श्री दयानंद बारकोजी, खलासी
08 मार्च - श्री कृष्ण बहादुर, सहायक रसोईया

12 शब्द-ज्ञान

1. Debarment	रोक, वारण, विवर्जन	6. Disallow	नामंजूर
2. Defiance	अवज्ञा	7. Disloyal	निष्ठाहीन
3. Deponent	अभिसाक्षी	8. Diversion	विषयांतर, पथांतर
4. Derogation	अनादर, अल्पीकरण	9. Disaster	आपदा
5. Deviation	विचलन, अंतर	10. Discard	अलग करना, हटा देना

13 सृजन

संस्कृति और जीवन दर्शन

भारतीय संस्कृति जिसे कहा जाना चाहिए वह आज भारतीय मानसिक क्षितिज में क्रियाशील नहीं है । आज एक प्रकार की अव्यवस्थित व्यवसायिक संस्कृति व्याप्त है जिसकी जड़ शायद अन्य महादेश में है । भारतीयों के सार्वजनिक व्यवहार में गुरु-शिष्य संबंध का भी तदनुरुप परिवर्तन हो गया है । पौराणिक परंपरा के अनुसार यहां गुरु वेतनभोगी नहीं होते थे और न शिष्य ही को शुल्क देना पड़ता था । पैसे देकर विद्या खरीदने की यह क्रय-विक्रय पद्धति निस्संदेह इस भारतीय मिट्टी की उपज नहीं है । यहां शिक्षणालय एक प्रकार के आश्रम अथवा मंदिर के समान थे । गुरु को साक्षात् परमेश्वर ही समझा जाता था । शिष्य पुत्र से अधिक प्रिय होते थे । यहां गुरु को सम्मान मिलना ही उनके शक्ति पाने का रहस्य समझा जाता रहा था । प्राचीन काल में गुरु की शिक्षा-दान क्रिया उनका आध्यात्मिक अनुष्ठान थी, परमेश्वर-प्राप्ति के लिए उनका वह एक माध्यम था । आज यह पेट पालने का जरिया बन गई है ।

हमारे देश में एक ऐसा भी युग था जब नैतिक और आध्यात्मिक विकास ही जीवन का वास्तविक लक्ष्य माना जाता था । अहिंसा की भावना सर्वोपरि थी । आज पूरा जीवन-दर्शन ही बदल गया है । संत विवेकानंद को भारत में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त नहीं हुआ, पर जब उन्होंने अमेरिका में नाम कमा लिया तो भारतवासी मालाएं लेकर दौड़े उनका स्वागत करने । रवींद्रनाथ ठाकुर को भी जब नोबल पुरस्कार मिला, तब बंगाली उनका स्वागत करन दौड़े । योग विद्या जब तक ऋषि मुनियों, साधु-संतों, गुरुओं द्वारा सिखाई जाती रही गुप्त विद्या ही रही परंतु जैसे ही विदेशों में इसे मान मिला 'योगा' के रूप में यह सर्वव्याप्त हो गया । भरतनाट्यम और कथकली को सांस्कृतिक विरासत के रूप में कोई नहीं पूछता था, पर जब विदेशों में मान मिलने लगा तो आश्चर्य से भारतवासी सोचने लगे- 'अरे हमारी संस्कृति में इतनी अपूर्व चीजें भी पड़ी थीं क्या ?'

वर्तमान में सर्वत्र पैसे की हाय-हाय तथा धन का उपार्जन ही मुख्य ध्येय हो गया है, भले ही धन उपार्जन के तरीके गलत क्यों न हों ? इन सबका असर मुनष्य के प्रतिदिन के जीवन पर पड़ रहा है । बाह्य वातावरण तो दूषित है ही, समाज का वातावरण भी दूषित हो गया है । आज सब जानते हैं कि पर्यावरण की समस्याएं कितनी चिंतनीय हो उठी है । इन सबके कारण मानसिक और शारीरिक तनाव-खिंचाव और व्याधियां पैदा हो रही हैं । इन तनाव व व्याधियों से मुक्ति के लिए हमें 'सादा जीवन उच्च विचार' का मार्ग अपनाना होगा । पर्यावरण की रक्षा करनी ही होगी । भारतीय संस्कृति एवं जीवन-दर्शन से जुड़े रहना श्रेयस्कर होगा ।

अरुणाभा ठाकुर
रा.अधी.

प्रार्थना आत्म-शुद्धि का आह्वान है, यह विनम्रता का द्योतक है, प्रार्थना पश्चात्ताप का एक चिन्ह है । प्रार्थना हमारे अधिक शुद्ध होने की आतुरता को सूचित करती है ।

- महात्मा गांधी

घनश्याम बंसल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे – 1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित
मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी, 1552, सदाशिव पेठ, पुणे – 411 030. फोन : 020-65228163 द्वारा मुद्रित (3000 प्रतियां)